जयपुर के 150 वार्डों में मतदान आज, 24 लाख मतदाता चुनेंगे अपना पार्षद

2256 बूथों पर होगी वोटिंग, 723 प्रत्याशी चुनावी रण में भाग्य आजमा रहे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में पार्षद चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। चुनाव मैदान में 723 प्रत्याशी हैं, जिनके जीत-हार का फैसला 24 लाख 33 हजार 121 मतदाता करेंगे। इस मतदान के लिए जिला निर्वाचन शाखा ने 2 हजार 256 पोलिंग बूथ बनाए हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम को निर्धारित स्ट्रांग रूम में जमा कराया जाएगा। चुनाव परिणाम 14 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। इसके बाद नगर निगम में महापौर और उप महापौर के चुनाव की प्रक्रिया होगी। महापौर पद के लिए 21 सितंबर और उप महापौर पद के लिए 22 सितंबर को चुनाव कराया जाएगा। ऐसे में शुक्रवार का मतदान जयपुर नगर निगम की नई राजनीतिक तस्वीर तय करने वाला होगा।

- 18 वार्डों में सीधा मुकाबला, वार्ड 62 में सबसे ज्यादा 13 प्रत्याशी
- महापौर के लिए 21 सितंबर और उप महापौर पद के लिए 22 को होगा चुनाव

भाजपा-कांग्रेस के 149-149 प्रत्याशी

150 वार्डों में प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस के 149-149 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। वहीं 425 प्रत्याशी निर्दलीय अथवा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं। मतदान के साथ ही सभी 723 प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद हो जाएगा।

नगर निगम चुनाव में 18 वार्ड ऐसे हैं, जहां केवल दो-दो प्रत्याशी मैदान में हैं। इन वार्डों में सीधे मुकाबले में जीत-हार का फैसला होगा। इनमें वार्ड नंबर 41, 42, 45, 49, 52, 53, 60, 83, 90, 91, 94, 122, 123, 129, 131, 142 और 150 शामिल हैं। वहीं 35 वार्डों में तीन-तीन प्रत्याशी मैदान में हैं, जिससे इन वार्डों में त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बनी हुई है।

वार्ड 62 में सबसे ज्यादा 13 प्रत्याशी

जयपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 62 में सबसे ज्यादा 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा चार वार्ड ऐसे हैं, जहां 10 से अधिक प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। ऐसे वार्डों में निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशी प्रमुख दलों के समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। नगर निगम के 150 वार्डों में से 50 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। आरक्षण के चलते इन वार्डों में महिला प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या भी महत्वपूर्ण रहेगी।

2256 बूथों में से 652 क्रिटिकल

मतदान के लिए नगर निगम क्षेत्र में कुल 2256 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इनमें 652 बूथ क्रिटिकल श्रेणी में हैं। इन बूथों पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और पुलिस की ओर से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए मतदान दलों की रवानगी, ईवीएम और चुनाव सामग्री सहित आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। इन 150 वार्डों में मतदान के लिए गुरुवार को सीकर रोड स्थित श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी से 2256 मतदान दलों को बूथों के लिए रवाना किया गया। पोलिंग पार्टियों को रवाना करने से पहले अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद उन्हें ईवीएम सहित चुनाव सामग्री उपलब्ध कराकर निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया।

6.80 करोड़ के "बॉस स्कैम" में बैंक खाता उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार

कमीशन के बदले ठगों को दिया था खाता, अब तक 8 गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की केंद्रीय साइबर क्राइम थाना टीम ने 6.80 करोड़ रुपए के "बॉस स्कैम" मामले में एक और आरोपी को बाड़मेर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तगाराम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसने साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए अपना बैंक खाता कमीशन के बदले उपलब्ध कराया था। इस मामले में अब तक 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

आरोपी तगाराम

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि अनुसंधान के दौरान तगाराम की भूमिका सामने आई। बैंक रिकॉर्ड और तकनीकी जांच में पता चला कि आरोपी ने अपना बैंक खाता हरेन्द्र उर्फ हनी को उपलब्ध कराया था। इसी खाते में 24 अगस्त 2026 को 2.50 लाख रुपए आए थे। इसके बाद तगाराम, हरेन्द्र के साथ बैंक पहुंचा और खाते से रकम निकालने का प्रयास किया।

जांच में सामने आया कि गिरोह साइबर ठगी की रकम को खपाने के लिए म्यूल बैंक खाते, एटीएम, चेक, यूपीआई, क्यूआर कोड, डिजिटल वॉलेट और यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी का सुनियोजित इस्तेमाल करता था।

पुलिस के अनुसार गिरोह फर्जी टेलीग्राम ग्रुप के जरिए फर्जी अथवा म्यूल बैंक खातों, एटीएम, सिम और पासबुक की किट उपलब्ध कराई जाती थी। ठगी की रकम म्यूल खातों में पहुंचने के बाद उसे एटीएम या चेक से नकद निकालने अथवा यूपीआई, क्यूआर कोड, सीडीएम और अन्य बैंक खातों में तत्काल ट्रांसफर किया जाता था। कई खातों में रकम की लेयरिंग करने के बाद उसे यूएसडीटी या अन्य क्रिप्टो करेंसी में बदलकर आगे भेजा जाता था। इसके लिए बाइनेंस जैसे क्रिप्टो प्लेटफॉर्म और टेलीग्राम पर उपलब्ध क्यूआर कोड का इस्तेमाल किया जाता था।

- म्यूल खातों से रकम घुमाकर यूएसडीटी में तब्दील करते थे आरोपी

पुलिस के अनुसार गिरोह फर्जी पहचान या व्हाट्सऐप के जरिए लोगों को विश्वास में लेकर ठगी करता था। इसके बाद रकम को म्यूल खातों में मंगाकर एटीएम, चेक, यूपीआई, सीडीएम व क्यूआर कोड से निकालने या ट्रांसफर करने और विभिन्न खातों में लेयरिंग के बाद क्रिप्टो करेंसी के जरिए नेटवर्क के मास्टरमाइंड तक पहुंचाया जाता था। पुलिस टीम व्हाट्सऐप रिकॉर्ड, सीडीआर, सीएएफ आईडी, आईपीडीआर और बैंकिंग ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण कर रही है। रकम आगे किन खातों में पहुंची और नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच जारी है। यह कार्रवाई डीआईजी साइबर क्राइम शान्तनु कुमार सिंह के निर्देशन में केंद्रीय साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर के थानाधिकारी एवं डीएसपी गजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने की। टीम में पुलिस निरीक्षक नीरज कुमार, एएसआई राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल बृजलाल और कांस्टेबल सच्चिदानन्द शामिल रहे।

13वीं मंजिल से नीचे गिरे युवक की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मानसरोवर इलाके में न्यू आतिश मार्केट स्थित एक मल्टीस्टोरी बिल्डिंग की 13वीं मंजिल से गिरने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक बिल्डिंग की छत पर अकेला पहुंचा था। घटना 4 सितंबर की शाम की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि युवक को सेल्फी लेने और रील बनाने का शौक था। आशंका है कि छत पर लगी करीब ढाई फीट ऊंची लोहे की रेलिंग पर चढ़कर सेल्फी लेने और रील बनाने के प्रयास में उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया।

मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के अनुसार सोडाला निवासी गौरव शर्मा (22) की 4 सितंबर की शाम 13वीं मंजिल से गिरने से मौत हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर खुदकुशी के एंगल से जांच शुरू की। जांच के दौरान गौरव के मोबाइल में घटना से कुछ समय पहले ली गई एक सेल्फी मिली। पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। जांच में सामने आया कि गौरव अकेला ही बिल्डिंग की छत पर पहुंचा था।

- पुलिस जांच में सामने आया कि युवक को सेल्फी लेने और रील बनाने का शौक था। आशंका है कि छत पर लगी करीब ढाई फीट ऊंची लोहे की रेलिंग पर चढ़कर सेल्फी लेने और रील बनाने के प्रयास में उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया।

पुलिस के अनुसार बिल्डिंग की छत पर करीब ढाई फीट ऊंची लोहे की रेलिंग लगी है। रेलिंग पर गौरव के पैरों के निशान भी मिले हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि वह ऊंचाई पर जाकर सेल्फी लेने या रील बनाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों से पूछताछ में भी सामने आया कि गौरव को सेल्फी लेने और रील बनाने का शौक था। वह करीब एक साल से एक आईटी कंपनी में इंजीनियर के पद पर काम कर रहा था। सप्ताह में दो दिन जयपुर के सीतापुरा स्थित कार्यालय जाता था, जबकि चार दिन घर से काम करता था।

पुलिस के अनुसार गौरव का घर सोडाला क्षेत्र में है। परिजनों से पूछताछ में यह भी सामने आया कि गौरव ने परिवार को ऐसी जगह के बारे में बताया था, जहां ऊंचाई से पूरा जयपुर शहर नजर आता है। घटना वाले दिन 4 सितंबर को वह महिमा पार्क जाने की बात कहकर घर से निकला था। वहां से मेट्रो के जरिए न्यू आतिश मार्केट पहुंचा और बिल्डिंग की छत पर अकेला चला गया। छत पर रेलिंग पर चढ़कर उसने सेल्फी ली और रील बनाने के प्रयास के दौरान नीचे गिर गया।

थानाधिकारी सतीशचंद ने बताया कि गौरव का परिवार मूल रूप से दूधली, बस्सी का रहने वाला है। वह रामनगर, सोडाला में अपनी मां और बहन के साथ रहता था। गौरव के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। हादसे के बाद उसकी मां सदमे में है। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ब्लिंकिट और जैप्टो के डार्क स्टोर पर खाद्य सुरक्षा टीम की छापेमारी

जयपुर । खाद्य सुरक्षा टीम ने आदर्श नगर स्थित "ब्लिंकिट" के डार्क स्टोर तथा जगतपुरा स्थित "जैप्टो" के डार्क स्टोर पर छापेमारी की। दोनों जगहों पर 2350 किलो से ज्यादा डेयरी उत्पाद व 7 किलो एक्सापायरी खाद्य सामग्री नष्ट करायी। अब खाद्य सुरक्षा विभाग दोनों स्टोर्स के संचालकों को नोटिस जारी करेगा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आयुक्त अविचल चतुर्वेदी व संयुक्त आयुक्त विजय प्रकाश शर्मा की मौजूदगी में आदर्श नगर में फतेह टीबा स्थित "ब्लिंकिट" वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। जांच में सबसे गंभीर लापरवाही कोल्ड स्टोरेज के तापमान को लेकर मिली। यहां 5 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रखे जाने वाले खाद्य पदार्थों के स्टोरेज में तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस पाया गया। इसके चलते करीब 800 पैकेट मिल्क प्रोडक्ट नष्ट करवाए गए। जांच के दौरान करीब 24 पैकेट अमूल बटर, 60 बोतल बॉम्बे बंटा जूस, 11 पाउच लो-फैट दूध, ट्रॉपिकाना जूस, काउ घी तथा करीब 1400 मिलीलीटर अमूल टोंड मिल्क सहित क्षितग्रस्त और अवधि पार सामग्री भी मिली, जिसे मौके पर नष्ट कराया गया। इसी तरह जगतपुरा स्थित जैप्टो के डार्क स्टोर पर करीब 1550 पैकेट डेयरी उत्पाद, 100 किलो क्षतिग्रस्त और 7 किलो अवधि पार खाद्य सामग्री मौके पर ही नष्ट करवाई गई। मैसर्स जे.डी.एस. मार्केटिंग के इस वेयरहाउस में कोल्ड रूम और डीप फ्रीजर में डेयरी उत्पादों के भंडारण का तापमान 6 से 14 डिग्री सेल्सियस पाया गया, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। इसके चलते सरस एवं अमूल के दूध, दही और छाछ के करीब 1550 पैकेट नष्ट करवाए गए। वेयरहाउस में करीब 100 किलो क्षितग्रस्त खाद्य सामग्री बिना 'नॉट फॉर सेल' टैग के मिली। वहीं मूसली, कैंडी और भुजिया समेत करीब 7 किलो अवधि पार सामग्री भी बिक्री के लिए रखी मिली, जिसे जब्त कर नष्ट करवाया गया। स्टोर में पान मसाला-जर्दा के थूक के निशान, गंदगी, टूटे व जंग लगे रैक मिले। एयर कर्टेन नहीं लगा था।

रीको प्रशासन ने औद्योगिक भूखंड़ों के उपयोग की समय सीमा में राहत दी

जयपुर (कासं)। प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने तथा उद्यिमयों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में रीको द्वारा नियमों का सरलीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में निगम ने रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स, 1979 के नियम 21 एवं नियम 3(एजे) में आंशिक संशोधन किया है।

संशोधन के तहत, यदि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटित होता है जहां आधारभूत सुविधाएं नहीं है तो औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित होने तक उसे परियोजना के विभिन्न मध्यवर्ती चरणों को पूर्ण करने तथा इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में लाने की निर्धारित समय-सीमा में राहत मिलेगी। यह राहत औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित होने की तिथि से एक वर्ष तक की अवधि के रूप में उपलब्ध होगी।

वर्तमान में ई-नीलामी अथवा प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के अंतर्गत भूखण्ड आवंटन के पश्चात एक माह की अवधि में कब्जा प्राप्त किया जाना आवश्यक है। निर्धारित अवधि में कब्जा प्राप्त नहीं किए जाने पर डीम्ड पजेशन मानते हुए भूखण्ड पर निर्माण पूर्ण कर इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में लाने की समयसीमा की गणना प्रारंभ हो जाती है।

जिन परियोजनाओं में पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक नहीं है, उनके लिए वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने की अवधि दो वर्ष तथा पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक होने वाली परियोजनाओं के लिए तीन वर्ष निर्धारित है। ऐसी स्थिति में कई बार औद्योगिक क्षेत्र में अप्रोच रोड, आंतरिक सड़क एवं विद्युत जैसी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के बावजूद निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजना को पूर्ण करने का दायित्व उद्यमी पर रहता था। निर्धारित मध्यवर्ती अनुक्रमों को समय पर पूरा नहीं करने की स्थिति में पेनल्टी का भी प्रावधान था।

- इस संशोधन के तहत, "यदि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटित होता है जहां आधारभूत सुविधाएं नहीं है तो औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित होने तक उसे परियोजना के विभिन्न मध्यवर्ती चरणों को पूर्ण करने तथा इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में लाने की निर्धारित समय-सीमा में राहत मिलेगी।"

रीको को उद्यिमयों द्वारा इस समस्या से अवगत कराया गया कि आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के अभाव में निर्धारित समय-सीमा में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। उद्यिमयों ने मांग रखी कि औद्योगिक क्षेत्र को विकसित घोषित किये जाने के पश्चात् उत्पादन शुरू करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाये।

इन व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए रीको द्वारा नियमों में संशोधन किया गया। संशोधित प्रावधानों के अनुसार, जिन परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक नहीं है, उन्हें भूखण्ड आवंटन की तिथि से दो वर्ष की अवधि अथवा औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित किए जाने की तिथि से एक वर्ष की अवधि, जो भी बाद में हो, के भीतर वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करना होगा। इसी प्रकार, जिन परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक है, उन्हें भूखण्ड आवंटन की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित किए जाने की तिथि से एक वर्ष की अवधि जो भी बाद में हो, के भीतर वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करना होगा।

चोरी करवाई

जयपुर । झोटवाड़ा इलाके में 10वीं के 16 वर्षीय छात्र को उसके सहपाठी और बालिग साथी ने जान से मारने की धमकी देकर अपने ही घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी करवाए। आरोपियों ने छात्र को मोबाइल देकर लगातार निर्देश दिए। छात्र ने अलमारी से सोने के तीन सेट, बाली, हार, अंगूठी, नथ, पेंडेंट, चांदी का कड़ा और पायजेब चोरी कर उन्हें सौंप दिए।

'इस वर्ष लंपी रोग से 16 गौवंश की मौत, 4500 का उपचार जारी'

जयपुर । पशुपालन, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रदेश में लम्पी रोग को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार पूरी तरह सतर्क है और रोकथाम के सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। प्रभावित गौवंश को तत्काल आइसोलेट कर उपचार की व्यवस्था की गई है तथा विभाग के पास पर्याप्त मात्रा में औषधियां उपलब्ध हैं।

मंत्री ने बताया कि इस वर्ष पूर्वी राजस्थान, विशेषकर भरतपुर और डीग में लम्पी के मामले अधिक हैं, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। अब तक दोनों जिलों में लम्पी से 16 गौवंश की मृत्यु हुई है। अधिकांश पशुओं को रोगमुक्त किया जा चुका है, जबकि करीब 4500 गौवंश का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि रोग की रोकथाम में टीकाकरण और जागरूकता अभियान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2026-27 में करीब 90 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण किया जा चुका है। पिछले वर्ष भी दो माह के टीकाकरण अभियान में करीब 95 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण हुआ था, जिससे रोग को समय रहते नियंत्रित कर पशुहानि को लगभग नगण्य रखा गया। मंत्री ने कहा कि लम्पी संक्रामक रोग है, जिससे मुख्य रूप से गौवंश प्रभावित होता है। विभाग ने रोग के सर्वेक्षण, निदान और नियंत्रण के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने पशुपालकों से गौवंश की विशेष निगरानी रखने, बीमार पशुओं को अन्य पशुओं से अलग रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल पशु चिकित्सा संस्थान या पशु चिकित्सक से संपर्क करने की अपील की।

गीत पर आपत्ति

जयपुर । फिल्म "मिर्जापुर द मूवी" में महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और त्याग को समर्पित "शूरवीर" गीत के कथित अनुचित इस्तेमाल को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा विधायक राजेन्द्र राठौड़ ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यान आकर्षित किया है।

सार-समाचार

मानसून संस्कृति का उत्सव 19 को

जयपुर । राजस्थान में बारिश महज मौसम नहीं, बल्कि लोकजीवन, संगीत, कला और परंपराओं से जुड़ी सांस्कृतिक अनुभूति है। इसी रंग को उत्सव का रूप देते हुए 'बारिश-आर्ट। म्यूजिक। मानसून।' का आयोजन 19 सितंबर को होटल क्लार्क्स आमेर में होगा। एक्सक्यूरेटर्स द्वारा क्यूरेट एवं निर्मित इस आयोजन में लोक संगीत, सूफी सुर, लोक-कथाओं, शिल्प, खान-पान और विविध सांस्कृतिक अनुभव देखने को मिलेंगे। शाम की शुरुआत बाड़मेर बॉयज़ की प्रस्तुति से होगी, जो थार की लोक परंपराओं, लोकधुनों और रेगिस्तानी जीवन को संगीत के जरिए सामने रखेंगे। इसके बाद डॉ. वामिक सैफी कहानी, संगीत और साहित्य के माध्यम से मानसून से जुड़ी स्मृतियों और भावनाओं को प्रस्तुत करेंगे। एक्सक्यूरेटर्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मिनहाल हसन ने कहा कि प्रदेश की शुष्क धरती पर मानसून का आगमन सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में नई ऊर्जा लाता है।

'धर्म क्रिया वही, जिससे समत्व बढ़े'

जयपुर । मालवीय नगर स्थित अणुविभा केन्द्र के महाप्रज्ञ सभागार में पर्युषण पर्व के तीसरे दिन गुरुवार को "सामायिक दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने सामायिक की साधना की। साधकों को संबोधित करते हुए मुनिश्री तत्त्व रुचि 'तरुण' ने कहा कि सामायिक समभाव की साधना है। इसके माध्यम से साधक पापकारी प्रवृत्तियों से मुक्त होकर आत्मशुद्धि की ओर बढ़ता है। भगवान महावीर ने समता को धर्म बताया है। धर्म क्रिया वही है, जिससे जीवन में समत्व भाव बढ़े और ममत्व भाव घटे। सामायिक साधना के बाद आचार, विचार और व्यवहार में समता का भाव दिखाई देना चाहिए। कार्यक्रम में मुनिश्री तत्त्व रुचि जी 'तरुण' ने तेरापंथ धर्म संघ की मर्यादाओं का वाचन करते हुए बताया कि आचार्य भिक्षु ने संघ की एकता-अखंडता, सुव्यवस्था और अनुशासन के लिए अनेक मर्यादाएं निर्धारित की थीं। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के सहमंत्री सुरेश कुमार बरड़िया ने 'श्रावक निष्ठा पत्र' का वाचन किया। तेरापंथ महिला मंडल शहर की बहनों ने मंगल गीत प्रस्तुत किया। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, बेले और तेले तप का संकल्प भी लिया। शुक्रवार को पर्युषण पर्व का चौथा दिन 'वाणी संयम दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

551 संवेदनशील बूथों पर पुलिस तैनात

जयपुर । जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के लिए शुक्रवार को दूसरे चरण में मतदान होगा। निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान के लिए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की है। मतदान के लिए 2250 बूथ बनाए गए हैं। इनमें 551 बूथ संवेदनशील चिन्हित किए गए हैं। इन बूथों पर पुलिस के साथ आरएसी के जवान भी तैनात रहेंगे। एडिशनल कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो-दो कांस्टेबल तैनात किए जाएंगे। जिन बूथों पर मतदाताओं को प्रभावित करने या किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका है, उन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। मतदान के दौरान गड़बड़ी कर सकने वाले लोगों को पहले ही चिन्हित कर पाबंद कराया गया है और उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई भी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत हर 10 बूथ पर एक मोबाइल पार्टी तैनात रहेगी। वहीं प्रत्येक 10 वार्ड पर एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी को सुपरवाइजरी अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा शहर में छह स्थानों पर क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) तैनात की गई हैं, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल मौके पर पहुंचेंगी।

निकाय चुनाव : अब पार्षदों की "पहरेदारी" की तैयारी

बोर्ड गठन के लिए भाजपा-कांग्रेस ने खोला अगला मोर्चा, संभावित विजेताओं व निर्दलीयों की घेराबंदी शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में मतदान का शोर थमते ही सियासत का अगला दौर शुरू हो गया है। ईवीएम में प्रत्याशियों का भविष्य बंद हुआ तो भाजपा और कांग्रेस ने अब बोर्ड गठन के नंबर गेम पर फोकस कर दिया है। दोनों दल संभावित विजेता पार्षदों को अपने साथ बनाए रखने, उन्हें दूसरे खेमों के संपर्क से दूर रखने और जरूरत पड़ने पर निर्दलीयों को साधने की रणनीति में जुट गए हैं।

मतदान खत्म होते ही कई निकायों में प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय, होटल और अन्य निर्धारित स्थानों पर बुलाया गया। कहीं बसों से प्रत्याशियों को बाहर ले जाया गया तो कहीं उन्हें प्रशिक्षण वर्ग और धर्म यात्रा के नाम पर एक साथ रखने की कवायद शुरू हुई। भाजपा और कांग्रेस की यह सक्रियता उन निकायों में ज्यादा दिखाई दे रही है, जहां परिणाम त्रिशंकु रहने या बहुमत से कुछ सीट कम रहने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में एक-एक पार्षद बोर्ड अध्यक्ष या सभापति की कुर्सी का फैसला कर सकता है।

"बाड़ेबंदी" की राजनीति शुरू

महवा में भाजपा के 35 प्रत्याशियों को विधायक राजेंद्र मीणा बस से जयपुर ले गए, जबकि कांग्रेस के 34 प्रत्याशियों को हिंडौन रोड स्थित एक निजी होटल में बुलाया गया। वहीं करीब 22 निर्दलीय प्रत्याशियों को पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विजय बोहरा के साथ दिल्ली ले जाने की सूचना ने स्थानीय सियासत को और गरमा दिया। चित्तौड़गढ़ में भाजपा प्रत्याशी मतदान के बाद बैग लेकर पार्टी कार्यालय पहुंचे और वहां से वाहनों के जरिए रवाना हुए। भीलवाड़ा में भाजपा ने सभी 70 प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय बुलाया और बाद में उन्हें एक साथ रखने की व्यवस्था की गई। भरतपुर, अलवर और नागौर समेत अन्य निकायों में भी संभावित विजेता प्रत्याशियों को एकजुट रखने की कवायद शुरू होने की जानकारी सामने आई है। भाजपा कई जगह इसे 'प्रशिक्षण वर्ग' और 'धर्म यात्रा' का नाम दे रही है। पार्टी का कहना है कि स्थानीय निकायों में नए निर्वाचित होने वाले जनप्रतिनिधियों को संगठन की कार्यप्रणाली और जनता के प्रति जिम्मेदारियों से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। हालांकि राजनीतिक गलियारों में इसे बोर्ड गठन से पहले की रणनीतिक घेराबंदी के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा का पूरा फोकस बोर्ड के नंबर गेम पर

भाजपा ने मतदान खत्म होते ही उन निकायों की सूची तैयार करने पर काम शुरू कर दिया है, जहां पार्टी को बहुमत के करीब रहने का अनुमान है। स्थानीय विधायक, चुनाव प्रभारी और संगठन के पदाधिकारियों को संभावित विजेताओं के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी की रणनीति केवल अपने प्रत्याशियों तक सीमित नहीं है। बागी और निर्दलीय प्रत्याशी भी भाजपा की रणनीति के केंद्र में हैं। खासतौर पर वे निर्दलीय, जिन्होंने भाजपा से टिकट की उम्मीद की थी लेकिन टिकट नहीं मिलने पर चुनाव मैदान में उतर गए। यदि ऐसे प्रत्याशी जीतकर आते हैं और बोर्ड गठन में उनकी संख्या निर्णायक होती है तो पार्टी उनसे संपर्क साधने की तैयारी में है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने प्रत्याशियों को एक साथ रखने को बाड़ेबंदी मानने से इनकार करते हुए कहा है कि भाजपा में प्रशिक्षण की परंपरा रही है। उनके अनुसार कांग्रेस की राजनीति में बाड़ेबंदी हो सकती है, लेकिन भाजपा में कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाते हैं।

जयपुर देहात में प्रशिक्षण से धर्म यात्रा तक

जयपुर देहात उत्तर में मनोहरपुर और शाहपुरा क्षेत्र के प्रत्याशियों को होटल में ठहराकर प्रशिक्षण की व्यवस्था किए जाने की जानकारी है। चौमूं और कालाडेरा में भी प्रशिक्षण वर्ग की तैयारी है। वहीं जयपुर देहात दक्षिण में प्रशिक्षण के साथ धर्म यात्रा की योजना बनाई गई है। जोबनेर, रेनवाल, फुलेरा, सांभर, नरैना, दूदू, फागी, बगरू, वाटिका, कानोता, बस्सी और चाकसू क्षेत्र के प्रत्याशियों को इसमें शामिल किया जा रहा है। पुष्कर, सवाई माधोपुर, खाटूश्यामजी और सालासर जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा की योजना भी बताई गई है। इस दौरान चुनाव की समीक्षा, संगठन के सहयोग, स्थानीय नेताओं की भूमिका और मतदान के दौरान मिले फीडबैक पर चर्चा के साथ आगे की रणनीति पर भी मंथन किया जा रहा है।

अलवर में मेयर की कुर्सी पर नजर

अलवर में भी मतदान खत्म होते ही भाजपा और कांग्रेस ने बोर्ड गठन के समीकरणों पर काम तेज कर दिया है। भाजपा के अधिकांश प्रत्याशियों को बसों के जरिए सुरक्षित स्थान पर भेजे जाने की जानकारी है। पूरी कवायद चुनाव प्रभारी रामचरण बोहरा, वन मंत्री संजय शर्मा और जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता की निगरानी में बताई गई है। भाजपा चुनाव प्रभारी रामचरण बोहरा ने 21 सितंबर को भाजपा का मेयर और 22 सितंबर को उप महापौर बनने का दावा किया है। ऐसे में पार्टी की नजर संभावित निर्दलीय विजेताओं पर भी है।

भरतपुर-भीलवाड़ा में भी सक्रिय हुआ संगठन

भरतपुर में भाजपा के संभावित विजेता प्रत्याशियों को पहले निजी होटल में जुटाने और बाद में बस से जयपुर भेजे जाने की बात सामने आई है। 65 वार्ड वाले नगर निगम में पूर्व विधायक विजय बंसल ने 30 से अधिक पार्षद जीतने का दावा किया है। साथ ही कांग्रेस और निर्दलीय खेमे से भी कुछ पार्षदों के भाजपा के साथ आने की संभावना जताई गई है।

भीलवाड़ा में भाजपा ने सभी 70 वार्डों के प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय बुलाया। इसके बाद उन्हें निजी बसों से सुरक्षित स्थान पर भेजे जाने की जानकारी सामने आई। यहां भी पार्टी की नजर परिणाम के बाद बनने वाले संभावित समीकरणों पर है।

नागौर में सभापति की कुर्सी ने बढ़ाई हलचल

नागौर नगर परिषद में भी सभापति पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा ने करीब 41 पार्षद प्रतिनिधियों को अलग-अलग समूहों में सुरक्षित स्थानों के लिए रवाना किया। एक समूह को देर रात और दूसरे को अगले दिन रवाना किए जाने की जानकारी है। नागौर जैसे निकायों में भी अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि चुनाव परिणाम के बाद किस दल के पास बहुमत होगा और यदि बहुमत नहीं मिला तो निर्दलीयों की भूमिका क्या होगी।

कांग्रेस की नजर भी बागियों व निर्दलीयों पर

भाजपा की तरह कांग्रेस ने भी संभावित विजेताओं को अपने साथ बनाए रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। जिला और विधानसभा प्रभारियों के साथ स्थानीय विधायक एवं वरिष्ठ नेताओं को प्रत्याशियों के संपर्क में रहने को कहा गया है। महवा में 34 कांग्रेस प्रत्याशियों को निजी होटल में बुलाना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस की नजर उन निर्दलीयों और बागियों पर भी है, जिनका पार्टी से पुराना संबंध रहा है।